Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to open evening college in every colleges of Delhi Universit for students.

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा (पश्चिमी दिल्ली): अध्यक्ष महोदय, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 5.5 लाख बच्चों ने कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए अप्लाई किया था । दिल्ली यूनिवर्सिटी में टोटल 80 हजार सीट्स हैं । दिल्ली यूनिवर्सिटी में 4 लाख 70 हजार बच्चों को एडमिशन नहीं मिलेगा । मुझे आपको बताते हुए बहुत दुख होता है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी सेंट्रल यूनिवर्सिटी है । पूरे देश के बच्चे यहां आकर पढ़ते हैं, मगर पिछले 20 सालों में दिल्ली में एक भी नया सरकारी कॉलेज नहीं खुला है । जिन बच्चों को एडमिशन मिल गया, मैं उनको बधाई देता हूं । ऐसे बहुत से बच्चे हैं, जो 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर आते हैं, लेकिन उनको एडमिशन नहीं मिलता है । जब हम अखबार में पढ़ते हैं कि 92 परसेंट अंक पाने वाले बच्चे ने सुसाइड कर लिया, तो मैं समझता हूं कि देश के एजुकेशन सिस्टम के लिए इससे ज्यादा दुर्भाग्य की बात नहीं हो सकती । इसमें दिल्ली सरकार के 28 कॉलेजेज हैं । वह 28 कॉलेजेज को फण्ड देती है, मगर अभी तक टीचरों को सैलरी नहीं मिली है । मेरा सुझाव भारत सरकार और दिल्ली सरकार दोनों को है कि 80 कॉलेजेज में से केवल 8 कॉलेज ऐसे हैं, जो ईवनिंग में भी चलते हैं । उन 8 ईवनिंग कॉलेजेज में 6 हजार सीट्स हैं । अगर हम सारे कॉलेजेज में ईवनिंग कॉलेज बढ़ा दें तो 80 हजार सीट्स से बढ़कर लगभग 1.5 लाख सीट्स हो जाएंगी, जिससे जो बच्चे 90 प्रतिशत से ऊपर नम्बर लेकर आ रहे हैं, उनको भी एडमिशन मिल सकेगा । हॉस्टल में सीट्स नहीं हैं, कॉलेज में सीट्स नहीं हैं तो 90 प्रतिशत नम्बर लाने वाला बच्चा प्राइवेट कॉलेज में एडमिशन के लिए जाएगा । वह वहां लाखों रुपये की फीस देता है तो परिवार पर बोझ पड़ता है । उसको या तो देश में कहीं और जाना पड़ता है या सुसाइड करनी पड़ती है । हमारे देश का एजुकेशन सिस्टम सही होना चाहिए । बहुत सारे यहां के एम.पीज. दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़े हुए हैं । कितने ऐसे बच्चे हैं, जिनको 95 प्रतिशत मिलते हैं ।

आज दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेज में कट ऑफ 98 प्रतिशत, 99 प्रतिशत, 99.5 प्रतिशत जा रही है । जो बच्चा 95 प्रतिशत ला रहा है, उसे भी एडमिशन नहीं मिल रहा है । एजुकेशन सिस्टम में ऐसे बच्चों को तो जगह मिलनी ही चाहिए । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के हर कॉलेज में ईवनिंग कॉलेज बना दिया जाए । उसमें कोई पैसा नहीं खर्च होगा । बिल्डिंग वही है, जगह वही है, अगर ईवनिंग कॉलेज बना दें तो ज्यादा बच्चों को एडमिशन मिलेगा ।